



Sri Arvind Mahila College, Patna
Accredited by NAAC with B⁺ Grade
(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)



Organizing Department: Department of Zoology

Departmental Seminar on Concept of Biodiversity & its Conservation

26-10-2024

जूलॉजी विभाग द्वारा "स्वच्छ भारत अभियान" के तहत आयोजित सेमिनार

जूलॉजी विभाग, पीजी सेमेस्टर-1 ने "स्वच्छ भारत अभियान" के अंतर्गत एक विभागीय सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार का विषय "जैव विविधता और उसका संरक्षण: तीन आर (कम करना, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण), पारिस्थितिक अर्थशास्त्र की आवश्यकता और जागरूकता" था। सेमिनार की अध्यक्षता जूलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष **डॉ. राकेश कुमार सिंह** ने की।

सेमिनार का उद्देश्य:

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को जैव विविधता के महत्व और उसके संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। इसके साथ ही तीन आर (Reduce, Reuse, Recycle) की भूमिका और पारिस्थितिक अर्थशास्त्र के महत्व पर भी चर्चा की गई।

मुख्य बातें:

1. जैव विविधता संरक्षण:

- जैव विविधता के महत्व और पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके प्रभाव को समझाया गया।
- वक्ताओं ने बताया कि प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग जैव विविधता संरक्षण का आधार है।

2. तीन आर की अवधारणा:

- वक्ताओं ने "कम करना (Reduce), पुनः उपयोग (Reuse), और पुनर्चक्रण (Recycle)" की अवधारणा पर चर्चा की।
- इसे पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने का प्रभावी तरीका बताया गया।

3. पारिस्थितिक अर्थशास्त्र की आवश्यकता:

- पर्यावरणीय सेवाओं और उनके आर्थिक मूल्य पर प्रकाश डाला गया।

- जागरूकता के अभाव के कारण पारिस्थितिक संसाधनों का हास हो रहा है, इसे रोकने पर जोर दिया गया।

छात्रों और शिक्षकों की भागीदारी:

- सेमिनार में छात्रों ने पोस्टर प्रेजेंटेशन और विचार-विमर्श सत्र में भाग लिया।
- एक प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े सवालों के उत्तर दिए।
- प्रतिभागियों ने स्वच्छता और पुनर्चक्रण के महत्व को रेखांकित किया।

डॉ. राकेश कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा:

"जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। तीन आर की अवधारणा को अपनाकर हम न केवल अपने पर्यावरण को बचा सकते हैं, बल्कि अपने जीवन की गुणवत्ता को भी सुधार सकते हैं।"

उन्होंने सभी छात्रों और शिक्षकों से इस अभियान को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। विभाग ने इस सेमिनार को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी प्रतिभागियों, छात्रों और सहायक कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

यह सेमिनार "स्वच्छ भारत अभियान" के तहत पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाने का एक सराहनीय प्रयास था। प्रतिभागियों ने इसे उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।



